MPI-E401 प्रथम पत्र- वैदिक दर्शन

समयः 3.00 घण्टे

पूर्णांकः 70+30 = 100

प्रथम इकाई - वेद एवं वैदिक परम्परा –अर्थ एवं महत्व, वैदिक प्रामाण्यवाद–स्वतः एवं परतः वैदिक दर्शन के स्रोत– वेद ,वेदांग, आरण्यक– उपनिषद् एवं दार्शनिक सूत्र ग्रन्थ। वैदिक देवता और ऋषि का अर्थ एवं स्वरूप।

द्वितीय इकाई - वेदार्थ की समस्या– प्रकाशना सिद्धान्त, आख्यान प्रणाली, भाष्य प्रणाली–यौगिकवाद, योगरूढिवाद, एवं भाषायी विकासवाद।

तृतीय इकाई - जगत् का सृजनवादी सिद्वान्त, जगत् के प्रमुख तत्त्व–ईश्वर,जीव एवं प्रकृति, उनका स्वरूप एवं सम्बन्ध, बन्धन एवं मुक्ति का स्वरूप।

चतुर्थ इकाई – प्रमुख वैदिक प्रत्यय–

1. **ज्ञानमीमांसामूलक–** प्रमा, प्रत्यक्ष, अनुमिति, ऋृत–सत्य, विद्या–अविद्या,
2. **आचारमूलक –** कर्मवाद, ऋण, संस्कार, धर्म एवं अन्य पुरुषार्थ।

पंचम इकाई – वैदिक ज्ञान के आलोक में प्रमुख दार्शनिक मतों की समीक्षा– अद्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद,द्वैतवाद , त्रैतवाद । वैदिक दर्शन– एक निबन्ध।

Paper I- VAIDIC PHILOSOPHY

UNIT – I Veda and Vaidic Tradition- meaning and Importance, Vaidic Pramanyavada- Swath and Paratah, Sources of Vaidic Philosophy– Veda, Vedanga, Aaranyak- Upnishada and philosophical Sutragrantha, Meaning and nature of Vaidic Devta and Rishi.

UNIT – II The problem of Meaning of Vedas- Revelation Theory, Recital-method, Commentary-Method– Yaugicavada, Yogaroodhivada and Linguistic Evolution.

UNIT – III Creation Theory of world, Main elements of world –Iswara, Jiva and Prakriti, Nature and Relation of them Nature of Bondage and Liberation.

UNIT – IV Main Vaidic concepts–

1- **Epistemological**– Prma, Pratyaksha, Anumity, Rita-satya, Vidya-Avidya.

2- **Ethical**– Karmavada, Rina, Sanskar, Dharma and other Purusharthas.

UNIT – V The Criticise of main philosophical opinions in light of vaidic knowledge – Advaitavada, Vishistadavaitavada, Dvaitavada, Traitavada. Vaidic Philosophy – An Essay.

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:–

1. वेद रहस्य – श्री अरविन्द
2. भूमिका भाष्कर, दो खण्डों में – सरस्वती, विद्यानन्द
3. आर्यो का आदिदेश और उनकी सभ्यता – सरस्वती, विद्यानन्द
4. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, सत्यार्थ प्रकाश एवं संस्कार विधि दयानन्द – सरस्वती, स्वामी
5. ऋग्वेद भाष्य भूमिका – सायणाचार्य
6. सायण और दयानन्द के वेदभाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ0 विमला
7. दयानन्द दर्शन – गुप्त, डॉ0 वेद प्रकाश
8. वैदिक दर्शन डॉ0रघुवीर(सम्पा0) –वेदालंकार
9. ऋग्वेद के भाष्यकार एवं उनकी मंत्रार्थ दृष्टि –शास्त्री, डॉ0 ज्ञानप्रकाश
10. The Vadas a History of an encient Sanskrit Literature - Max Mullar
11. The Vada and the Avesta - Max Mullar
12. कार्ल मार्क्स और ऋषिदयानन्द–समाज दर्शन का तुलनात्मक अध्ययन –आर्य,डॉ0सोहनपाल सिंह